an>

Title: Need to introduce digital voting system in the country.

-

श्री गोपाल शेट्टी (मुम्बई उत्तर)ः स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव किसी भी देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए महत्वपूर्ण है। इसमें निष्पक्ष, सटीक तथा पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया में ऐसे परिणाम शामिल हैं, जिनकी पुष्टि स्वतंत्र रूप से की जा सकती है। फर्जी मतदान तथा मतदान केन्द्र पर कब्जे जैसे दोषपूर्ण व्यवहार लोकतंत्र भावना के लिए गंभीर खतरे हैं।

"डिजिटल वोटिंग" के इस्तेमाल से जाली मतदान तथा बूथ कब्जा करने की घटनाओं में पूर्णतः कमी लाई जा सकती है। यह प्रक्रिया छेड़छाड़ मुक्त तथा संचालन में सरल है। इससे अवैध मतों की संभावना पूरी तरह से समाप्त होती है तथा गणना प्रक्रिया में तेजी होने की वजह से कम समय में परिणाम घोषित होंगे। इस प्रकार से तेज और सटीक चुनावी परिणाम सामने आकर पारदर्शिता बढ़ती है।

डिजिटल वोटिंग के माध्यम से मतदान के दौरान मतदाता देश के किसी भी कोने में हो, वह वहीं से अपनी सुविधानुसार आसान से बिना तकलीफ के अपना मतदान कर सकता है। इस प्रक्रिया से मतदाता लंबी-लंबी कतारों से बच सकते हैं तथा जो लोग दिव्यांग और बीमार हैं या किसी कारण घर से काफी दूर हैं, वो भी आसानी से वोटिंग कर सकते हैं। 18 से 30 वर्ष की आयु के मतदाता जो, किसी कारणवश मतदान नहीं करते हैं, वे भी डिजिटल के माध्यम से सुविधापूर्वक मतदान कर सकते हैं।

डिजिटल वोटिंग सस्ती प्रक्रिया है। एक बार डिजिटल वोटिंग सिस्टम तैयार होने पर यह प्रक्रिया इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) से काफी किफायती होगी। इस प्रक्रिया को अपनाने से सुरक्षा, प्रशासनिक और अन्य खर्चों से बच सकते हैं और देश में अभी भी दूर-दराज क्षेत्रों के मतदाता, जो मतदान से वंचित रह जाते हैं, वे अपने मतदान का सुविधापूर्वक उपयोग कर सकते हैं।

विश्व के कई देशों में डिजिटल वोटिंग को अपनाया जा रहा है। इनमें कनाडा, स्विटजरलैंड, नीदरलैंड, आस्ट्रिया इत्यादि है तथा अमेरिका और आस्ट्रेलिया में ये प्रक्रिया मिलिट्री और दिव्यांग के लिए अपनाई जा रही है।

हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जहाँ की जनसंख्या एक अरब से भी अधिक है, लेकिन मात्र 45 से 60 प्रतिशत के आसपास ही देश के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। देश में होने वाले सभी चुनावों के दौरान प्रायः यह देखा गया है कि वास्तविक रूप से मतदान करने वाले मतदाताओं की संख्या पात्र मतदाताओं से बहुत ही कम होती है और औसत मतदान भी बहुत कम होता है जबकि वोटर आई.डी. कार्ड सभी बनवाते हैं, लेकिन सभी मतदाता मतदान नहीं करते हैं। डिजिटल वोटिंग लागू होने से सभी मतदाता अपना मतदान आसानी से और सुविधापूर्वक कर सकेंगे। इस प्रकार से मतदाताओं के प्रतिशत में काफी वृद्धि होगी।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह देश में डिजिटल वोटिंग प्रणाली को अपनाए जाने हेतु शीघ्रता से कदम उठाए।